हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, शुक्रवार, 8 अगस्त , 2025

11 किसानों ने खेतों में जमा बरसाती पानी निकासी ...

12 युवाओं के सर्वांगीण विकास के लिए खेल ...

खबर संक्षेप

शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा आज भिवानी में

भिवानी। जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति की बैठक आठ अगस्त को 12.30 बजे स्थानीय पंचायत भवन में आयोजित होगी। बैठक की अध्यक्षता प्रदेश के शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा करेंगे। बैठक में 15 परिवाद रखें जाएंगे, जिनकी सुनवाई कर मंत्री जी निपटारा करेंगे। नगराधीश अनिल कुमार ने बताया कि जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति की बैठक में 15 परिवाद रखे जाएंगे

ढिगावा में घर के सामने से बाइक चोरी, केए दर्ज

लोहारू। ढिगावा में घर के सामने से मोटरसाइकिल चोरी होने का मामला प्रकाश में आया है। पुलिस को दी शिकायत में ढिगावा में मकान बनाकर रहने वाले सुनील कुमार ने बताया कि उसने पिछले महीने ही नई बाइक खरीदी थी और हमेशा की तरह घर के सामने खड़ी की थी। जब सुबह देखा तो उसकी बाइक गायब थी।

झुग्गी-झोपड़ियों, बस स्टैंड व होटल आदि खंगाले

बाढ़ड़ा। 15 अगस्त को लेकर सुरक्षा के मद्देनज़र पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आ रहा है। वीरवार को कस्बे में अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों, अवैध रूप से रह रहे लोगों व नशा तस्करी की आशंका को देखते हुए पुलिस ने डॉग स्क्वायड टीम के साथ सघन जांच अभियान चलाया। यह जांच बस स्टैंड, होटल, झुग्गी-झोपड़ियों, सार्वजनिक स्थानों व अनाज मंडी क्षेत्र में की गई। इस अभियान का नेतृत्व एसआई पवन ने किया, जबकि डॉग स्क्वायड सहित स्थानीय पुलिस टीम भी मौके पर मौजूद रही। जांच के दौरान किसी भी तरह की संदिग्ध वस्तु या व्यक्ति नहीं मिला, जिससे लोगों ने राहत की सांस ली।

महिलाओं को दी स्तनपान के महत्व की जानकारी

बाढ़ड़ा। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा गांव भाण्डवा में वीरवार को स्तनपान दिवस के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम सुपरवाइजर सुशीला की अध्यक्षता में हुआ जिसमें आंगनवाड़ी वर्कर्स व हेल्पर्स ने भाग लिया। कार्यक्रम में ग्रामीण महिलाओं को स्तनपान के महत्व के बारे में जानकारी दी गई। उन्होंने महिलाओं को बताया गया कि जन्म के तुरंत बाद मां का दूध शिशु के लिए संपूर्ण आहार है, जो उसे रोगों से लड़ने की शक्ति प्रदान करता है। सुशीला ने बताया कि जन्म के बाद छह माह तक केवल मां का दूध ही दिया जाए।

आंगनबाड़ी वर्कर्स एंड हेल्पर ने जिला कार्यक्रम अधिकारी कार्यालय के सामने किया प्रदर्शन

प्रमोशन और 26000 रुपये न्यूनतम वेतन लागू करने की उठाई मांग और सौंपा ज्ञापन

■ आंगनबाड़ी केंद्रों का सात माह से किराया नहीं आने से वर्कर्स व हेल्पर्स की बढ़ी परेशानी : राजबाला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

गुरुवार को आंगनवाड़ी वर्कर्स एंड हेल्पर्स यूनियन संबंधित सीटू के आह्वान पर भिवानी जिले की सभी आंगनवाड़ी वर्कर्स एवं हेल्पर्स ने जिला कार्यक्रम अधिकारी के कार्यालय के सामने धरना दिया और सरकार की कार्यप्रणाली के खिलाफ रोष जताया। धरने की अध्यक्षता जिला सचिव राजबाला शर्मा ने की और संचालन जिला प्रधान राजबाला निनान ने किया। प्रदर्शन के दौरान जिला सचिव राजबाला शर्मा ने आंगनवाड़ी कर्मियों को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य कमेटी ने केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी से मुलाकात की तथा मंत्री अन्नपूर्णा ने कई बातों पर सहमति जताई है।

यूनियन नेत्री राजबाला निनान, राजबाला शर्मा व कोषाध्यक्ष प्रिया वशिष्ठ ने बताया कि आईसीडीएस की 50वीं वर्षगांठ पर कर्मियों के वेतन में बढ़ोतरी व 3जी की जगह 5जी फोन या टैब के बारे में सहमति पर चर्चा हुई। उन्होंने बताया कि वर्ष 2018 से अब तक वर्कर्स एवं हेल्पर्स के वेतन में कोई बढ़ोतरी नहीं की गई है। वहीं आंगनबाड़ी सुपरवाइजर द्वारा वर्कर्स पर आए दिन नया दवाब बनाया जाता हैं। आंगनबाड़ी केंद्रों का सात महीने से किराया नहीं आ रहा, जिससे वर्करों और हेल्परों को मानसिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि अनेक महिलाएं ऐसी है, जो एकल महिलाएं हैं, जो अपने घर परिवार का खर्चा स्वयं वहन करती है।

मानदेय समय पर नहीं आता: वर्कर्स व हेल्पर का मानदेय समय पर नहीं आता, केंद्रों में गेहूं, चावल व चीनी के अलावा अन्य कोई राशन नहीं है। रोज दलिया खिचड़ी के लिए लाभार्थी फेस कैप्चर नहीं करवाते, वर्करों पर ऑनलाइन का काम बढ़ रहा है, जिससे वर्कर मानसिक परेशानी का शिकार होती जा रही है। सीटू नेता अनिल ने वर्करों को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार की नीति कमजोर व्यक्ति को दबाकर वर्करों का शोषण करना हैं।

भिवानी। लंबित मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपती और जिला कार्यक्रम अधिकारी कार्यालय के सामने धरना देती आंगनबाड़ी वर्कर्स। फोटो : हरिभूमि

प्रदर्शन में ये रहे मौजूद

सर्व कर्मचारी संघ के नेता रतन कुमार जिंदल ने कहा कि सभी वर्कर्स और हेल्पर को ज्यादा से ज्यादा संख्या में धरने प्रदर्शनों में पहुंचना चाहिए और सरकार की कार्यप्रणाली का विरोध करना चाहिए। धरने पर सुनीता, दर्शना, किरण, कृष्णा, सत्यबाला, बबली मिताथल, बाला गुजरानी, शकुंतला, शीला, राजबाला, रोशनी कैरू, राजबाला खानक, पूनम आलमपुर, नरेश कुमार व सीटू यूनियन से भीम सिंह आदि मौजूद रहे।

19वां राजेश चेतन काव्य पुरस्कार और कवि सम्मेलन 10 को

भिवानी। कीर्ति नगर स्थित सांस्कृतिक सदन में 10 अगस्त को 19 वां राजेश चेतन काव्य पुरस्कार 10 अगस्त को दिया जा रहा है। वर्ष 2025 का यह पुरस्कार फरीदाबाद की कवयित्री व अभिनेत्री बलजीत कौर तन्हा को दिया जा रहा है। इस अवसर पर एक कवि सम्मेलन भी आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम के संयोजक संदीप वधवा और कान्ति कौशिक एडवोकेट ने जानकारी देते हुए बताया कि पुरस्कार में 21 हजार रुपए, शॉल, स्मृति चिन्ह व सम्मान पत्र प्रदान किया जाता है। कवि सम्मेलन में डॉक्टर कीर्ति काले, डॉक्टर अर्जुन सिसोदिया, डॉक्टर रमाकांत शर्मा, राजेश चेतन, जाने माने कवि व मिमिकरी सम्राट दीपक सैनी उपस्थित रहेंगे। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में महिला व बाल कल्याण मंत्री श्रुति चौधरी, भाजपा के जिला अध्यक्ष वीरेंद्र कौशिक, मंच के संरक्षक डॉक्टर डी वी ढिल्लों, गवार गम के सहायक उपाध्यक्ष दिनेश कश्यप व कदम हॉस्पिटल के निदेशक मिक्की संघई विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित होकर कार्यक्रम की शुरुआत करेंगे।

सर्व कल्याण मंच लगाएगा फ्री सिलाई सेंटर, उद्घाटन 11 को

बवानीखेड़ा। स्वतंत्रता सेनानी सव. ठाकुर शंभू सिंह राजकीय महिला महाविद्यालय में 11 अगस्त को सर्व कल्याण मंच द्वारा फ्री सिलाई सेंटर का उद्घाटन किया जाएगा इसके साथ साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होंगे। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में अध्यक्ष राष्ट्रीय महिला आयोग विजया के.रहाटकर, कैबिनेट मंत्री श्रुति चौधरी, विशिष्ट अतिथि के रूप में विधायक कपूर वाल्मीकि, नपा चेयरमैन सुंदर अत्री, सीबीएलयू कुलपति प्रो. दीप्ति धर्मानी शिरकत करेंगे। कार्यक्रम सर्व कल्याण मंच के संस्थापक नवीन कौशिक द्वारा आयोजित करवाया जाएगा। केन्द्रीय मंत्री मनोहर लाल के निजी सचिव नवीन कौशिक द्वारा कॉलेज का नाम स्वतंत्रता सेनानी के नाम पर करने के लिए और फ्री सिलाई सेंटर की शुरुआत की योजना बनाई है।

अवैध बताकर कॉलोनियों को तोड़ने के विरोध में मुख्यमंत्री को भेजा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

विभिन्न सामाजिक संगठनों ने उपायुक्त के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा और जिला नगर योजनाकार विभाग द्वारा वर्षों पहले बसी कॉलोनियों को अवैध बताकर तोड़ने की कार्यवाही पर आपत्ति जताई। संगठनों ने ज्ञापन में मांग की कि ऐसी कॉलोनियों को नियमित किया जाए और बिना पूर्व सूचना के किसी का आशियाना न उजाड़ा जाए।

इस मौके पर सामाजिक कार्यकर्ता सुरेश सैनी, मित्र परिवार के संयोजक मास्टर सुरेंद्र राहड़, आजाद शिक्षा समिति के अध्यक्ष एडवोकेट रामेश्वर दास चांग, श्रीविश्वकर्मा शिक्षा एवं जनकल्याण समिति के अध्यक्ष एडवोकेट राजेश जांगड़ा, रक्तदाता जितेंदर तंवर बापोड़ा, राजेंद्र नंबरदार ढाणा नरसान व दीपक ने कहा कि ये बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि जब कोई कॉलोनी बनती है तो स्थानीय प्रशासन चुप रहता है।

संगठनों ने बताया कि जब लोग घर बनाकर वर्षों से रहने लगते हैं, तब विभाग तोड़फोड़ की कार्रवाई करता है। यह प्रक्रिया गरीब व मध्यम वर्गीय लोगों के साथ अन्याय है। उन्होंने कहा कि कॉलोनियां अवैध थी, तो रजिस्ट्री कैसे हुई? जिला प्रशासन की लापरवाही का खामियाजा आम जनता क्यों भुगते, उन्होंने मांग की कि वर्षों से बसी कॉलोनियों को तुरंत वैध किया जाए और तोड़फोड़ से पहले हर नागरिक को सुनवाई का पूरा मौका दिया जाए। उन्होंने कहा कि विभाग समय रहते कार्रवाई करता तो आज ये स्थिति उत्पन्न ही नहीं होती है।

उन्होंने आरोप लगाया कि विभाग की निष्क्रियता और मिलीभगत के चलते ही ऐसी कॉलोनियां विकसित हुईं। उन्होंने मांग की कि आम आदमी पहले जीवनभर की पूंजी लगाकर मकान बनाता है और फिर विभाग उसे तोड़ देता है, ये गलत है, भिवानी की सभी बाहरी इलाके की कॉलोनी को वैध किया जाए।

भिवानी। उपायुक्त को ज्ञापन सौंपने जाते सामाजिक संगठनों के कार्यकर्ता।

जर्जर भवन व कमरों की गिनती शुरू, रंगीन फोटो से जानी जाएगी भवन की असलियत

■ स्कूल मुखियाओं को प्राफार्मा पर भरकर जमा करवानी होगी रिपोर्ट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

राजस्थान के जर्जर भवन के कमरों की छत गिरने के बाद शिक्षा विभाग की भी नींद टूट गई है। हालही में हुई बारिश के बाद स्कूल भवन व परिसर में बारिश का पानी जमा होने के बाद शिक्षा विभाग भी हरकत में आ गया। शिक्षा विभाग ने सभी स्कूल मुखियाओं को पत्र भेज कर दो दिन के भीतर जितने भी सरकारी स्कूल है। उन सभी की रिपोर्ट मांगी है।

रिपोट में यह भी बताना होगा कि किस स्कूल के कितने कमरे जर्जर है। उन जर्जर कमरों की मरम्मत के लिए कोई कदम उठाया या नहीं। उन कमरों में बच्चों को बैठाया जा रहा है। यहा अन्य किसी जगह पर शिफ्ट किया गया। इन सब बातों का ब्यौरा दो दिनों के भीतर उपायुक्त कार्यालय में देना होगा।अगर इस मामले में किसी प्रकार की कोई गड़बड़ी या लापरवाही बरती तो उनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई भी जाएगी। शिक्षा विभाग ने रिपोर्ट के साथ साथ सभी जर्जर भवनों के एक एक रंगीन फोटो भी मांगा है। चूंकि रंगीन फोटोग्राफ में भवन की बारिक से बारिक दरार को भी कैमरे में कैद किया जा सकता है। रंगीन फोटो से ही पता चल जाएगा कि किस भवन के कितने कमरे डैमेज है और उनकी पॉजिशन क्या है। उन कमरों में बच्चों को बैठाना जोखिम से भरा है। इन बातों की जानकारी रंगीन फोटो ग्राफ से ही पता लगाया जा सकेगा। भेजे निर्देशों में कहा गया है कि वे प्रोफार्मा व रंगीन फोटो दो दिन के भीतर शिक्षा विभाग व उपायुक्त कार्यालय में जमा करवाए जाए। ताकि जल्द ही सीएम या शिक्षा मंत्री भिवानी पहुंचेगें और उनके समक्ष उक्त जर्जर भवन की वास्तुस्थिति प्रस्तुत की जाएगी।

इस बारे में कोई कोताही या ढिलाई बर्दाशत नहीं होगी। यहां यह बताते चले कि विगत में अनेक स्कूलों में बारिश का पानी जमा हो गया था। कई स्कूलों के कमरों व बरामदों में भी पानी पहुंच गया था। ऐसे में शिक्षकों को चौपाल व धर्मशालाओं में बच्चों की क्लासें लगानी पड़ी थी। चूंकि अनेक स्कूलों के भवन जर्जर हालत में है। इनमें से कुछेक को कंडम घोषित किया जा चुका है। कुछेक को कंडम घोषित करने की प्रक्रिया जारी है। ऐसे में बच्चों की उन भवनों में क्लासें लगाना बेहद जोखिम भरा कार्य है।

भिवानी। सरकारी स्कूल के एक कमरे की छत में निकले लौहे के जर्जर सरिए।

लाइन लिकेज ने रोके सर्विस रोड के कदम, कई जगह व्यर्थ बह रहा पानी

लिकेज बंद करवाने को लेकर पाषर्दों ने सौंपा एसई को ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

शहर के लोगों के लिए राहत भरी खबर। अब वाहन चालकों को सरकूलर रोड पर हिचकौले नहीं खाने पड़ेंगे और न ही लोगों को जर्जर सड़क में बने गड़ों की वजह से हादसों का शिकार नहीं होना पड़ेगा। अब जल्द ही सर्विस रोड का निर्माण कार्य शुरू होने जा रहा है। क्योंकि अभी तक पानी की लिकेज ने सर्विस रोड का निर्माण रोका हुआ था। अब पार्षद सुभाष तंवर व संदीप यादव ने लिकेज बंद करवाने का बीड़ा उठाया है।

इसी समस्या को लेकर आज नगरपरिषद पार्षद सुभाष तंवर,संदीप यादव पार्षदों ने पब्लिक हेल्थ विभाग के एसई से मुलाकात की और लिकेज बंद करवाए जाने की मांग की। पार्षदों की मांग के बाद अधिकारी ने सबंधित एक्सईन को मौके पर बुलाकर कल से ही लिकेज बंद करवाए जाने का कार्य शुरू करवाने का भरोसा दिलाया। लिकेज बंद होने के बाद हालवास गेट से लेकर रेलवे ओवरब्रीज तक के सर्विस रोड का निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा। चूंकि हालवास गेट से लेकर रेलवे ओवरब्रीज के बीच में अनेक जगहों पर पीने के पानी की लाइन लिकेज होने की वजह से लोगों को तो खासी परेशानी उठानी पड़ रही है। साथ में सरकार द्वारा बनाए जा रहे सर्विस रोड के कदम भी रोक लिए है। लाइन लिकेज की वजह से अनेक जगहों पर जलभराव की स्थिति बनी हुई है। जिस वजह से सर्विस रोड का कार्य शुरू ही नहीं हो पा रहा है।

यह है मामला: विगत में लोहारू की तरफ जाने वाले सरकूलर रोड पर रेलवे ओवरब्रीज का निर्माण करवा रहा है। रेलवे लाइनों के अलावा जो हिस्सा बचा है। उस पर प्रदेश सरकार सर्विस रोड व पुल का निर्माण करवाएगा। रेलवे ओवरब्रीज का कार्य अंतिम चरण में है,लेकिन अभी तक सर्विस रोड का कार्य शुरू नहीं हो पाया है। क्योंकि जहां से सर्विस रोड का कार्य शुरू करवाया जाना है। उस इलाके में अनेक जगहों पर पीने के पानी की पाइप लाइन लिकेज है।

सुबह व शाम के वक्त पानी की सप्लाई आती है तो पानी सड़कों पर बहना शुरू हो जाता है। जिसके चलते सर्विस रोड का निर्माण कार्य शुरू नहीं हो पाया है।

जल्द बंद करवाएंगे लिकेज

पार्षदों ने अपनी समस्या अधिकारी के समक्ष रखी। उसके बाद अधिकारी ने एक्सईएन को मौके पर बुलाया। दोनों अधिकारियों को कल से ही पाइप लाइन की लिकेज को बंद करवाए जाने के निर्देश दिए। ताकि लिकेज बंद होने के बाद जल्द ही सर्विस रोड के निर्माण कार्य शुरू हो सके। पार्षदों ने बताया कि लिकेज ठीक होने के बाद ही काम शुरू होगा और रास्ते में किचड़ व पानी जमा हो जाता है। इस समस्या से भी निजात मिल सकेगी।

भिवानी पर्यावरण शुद्धिकरण समिति पर्यावरण संरक्षण के रूप में मनाएगी रक्षाबंधन : वर्मा

■ 15 अगस्त को गत वर्षों में रोपित पेड़ पौधों का जन्मदिन मनाने का भी संकल्प लिया

भिवानी। गत वर्षों की भांती इस बार भी भिवानी पर्यावरण शुद्धिकरण समिति द्वारा भाई-बहन के अटूट प्रेम का प्रतीक रक्षाबंधन के पर्व को पर्यावरण संरक्षण के रूप में मनाया जाता है। जिसके तहत समिति के संयोजक 9 अगस्त को विभिन्न स्थानों पर रोपित पौधों को तिलक लगाकर व राखी बांधकर रक्षाबंधन मनाएगी। भिवानी पर्यावरण शुद्धिकरण समिति के संयोजक केके वर्मा ने बताया कि जैसे भाई अपनी बहन से राखी बंधवा कर उसकी सुरक्षा का आश्वासन देता है, ठीक उसी प्रकार पेड़-पौधे भी जीव की आत्मा रूपी बहन को शरीर के माध्यम से शांत, स्वास्थ्य व सुखी जीवन प्रदान कर सुरक्षा की गारंटी देते है। अतः हमें उनका उपकार मानते हुए उन्हें राखी बांधकर उनका आभार व धन्यवाद प्रकट करना चाहिए तथा उनके देखभाल की जिम्मेवारी लेनी चाहिए। समिति संयोजक केके वर्मा ने राखी के बाद 15 अगस्त को गत वर्षो में रोपित पेड़ पौधों का जन्मदिन मनाने का भी संकल्प लिया। वर्मा ने नागरिकों से आह्वान किया कि वे मां के नाम लगाए पौधें से मिलकर सस्नेह रक्षाबंधन व जन्मदिन मनाएं तथा जिन्होंने अभी तक पौधे नहीं रोपित किए, वो पौधा रोपण कर उन पौधों का जन्मदिन मना सकते हैं। केके वर्मा ने कहा कि पिछले साल मुख्य रक्षाबंधन समारोह बाल सेवा आश्रम में बच्चियों को व साथ मे पेड़ों पर राखी बांधकर मनाया गया था।

बच्चो, बारिश के दौरान जब तुम घर से बाहर निकलते हो तो भीगने से बचने के लिए छाते का इस्तेमाल जरूर करते होगे। क्या तुम जानते हो कि दुनिया के कई देशों में 'अंब्रेला म्यूजियम' यानी छाता संग्रहालय भी हैं? जानो, कुछ अंब्रेला म्यूजियम्स के बारे में।

अलग-अनोखे हैं ये अंब्रेला म्यूजियम

रोचक
शिखर चंद जैन

बच्चो, बारिश का मौसम आते ही सबसे पहले याद आता है छाता। भीगने से बचाने का सबसे आसान जरिया छाता ही है। दुनिया भर में इसका इस्तेमाल सदियों से हो रहा है। सैकड़ों तरह के छाते देश-विदेश में प्रचलित हैं। तुम्हें जानकर अचरज होगा कि कुछ देशों में अनोखे छाता संग्रहालय भी मौजूद हैं। यहां तुम छातों के क्रमिक विकास और उनके विभिन्न प्रकारों के बारे में जान सकते हो।

अंब्रेला एंड पारासोल म्यूजियम, इटली

इटली के पीडमोंट में मौजूद इस अनूठे छाता और छत्र (पारासोल) संग्रहालय की स्थापना 1939 में इगिनो एंब्रोसिनी (1883-1955) ने की थी। हालांकि वह खुद कृषि विज्ञानी थे, लेकिन छाता बनाना उनका पुश्तैनी कारोबार था। इसलिए छाते के प्रति उनको लगाव था। 1976 से इस संग्रहालय को वर्बानो-कुसियो-ओसोला प्रांत के गिग्नेस में स्थित दो-मंजिला इमारत में शिफ्ट कर दिया गया।

इस संग्रहालय में विभिन्न खंडों में छाते, छत्र और इनके निर्माण से जुड़ी सामग्रियों सहित 1,000 से अधिक वस्तुएं प्रदर्शित की गई हैं। इनके माध्यम से दर्शक यहां 1800 के दशक के आरंभ से लेकर आज तक छतरियों के क्रमिक विकास को देख और समझ सकते हैं।

इस म्यूजियम में तरह-तरह के फीते, रेशम, सूती और सिंथेटिक फैब्रिक, लकड़ी, हड्डी और धातु के फ्रेम के साथ, लकड़ी में नक्काशीदार सुंदर हैंडल, हाथी दांत, मोती और चांदी जैसी बहुमूल्य सामग्रियों से बनी छतरियां भी दर्शकों को खूब लुभाती हैं। संग्रहालय की पहली मंजिल छाता बनाने वाले कारीगरों के पेशे को समर्पित है। यहां तुम दो विशाल छाते भी देख सकते हो, जिन पर चित्रकार फेलिस वेलन ने छाता बनाने वालों के जीवन का संक्षिप्त चित्रण किया है। संग्रहालय में ऐतिहासिक वस्तुओं के लिए भी एक खंड समर्पित किया गया है, इसमें पूर्व रानी मार्गरिटा की छतरी प्रदर्शित की गई है।

अंब्रेला कवर म्यूजियम, यूएसए

अंब्रेला कवर संग्रहालय, यू एस ए

यह संग्रहालय अमेरिका के पीक्स आईलैंड में स्थित है। इस मशहूर संग्रहालय का निर्माण नैंसी हॉफमैन ने वर्ष 1996 में करवाया। इस संग्रहालय को बनाने का विचार हॉफमैन के मन में तब आया जब वे एक अलमारी साफ कर रहे थे और उन्हें पुराने सात छाते मिले। संग्रहालय की शुरुआत हॉफमैन ने अपने घर की रसोई से की। जैसे-जैसे उनका संग्रह बढ़ता गया, इसे एक बड़े स्थान पर स्थानांतरित कर दिया गया। उन्होंने यहां 66 देशों से बड़ी संख्या में छाते और छत्र संग्रह किए। इस संग्रहालय में 'लेट अ स्माइल बी योर अंब्रेला' गाते हुए अकॉर्डियन बजाते हुए हॉफमैन को अकसर ही देखा जा सकता है। अंब्रेला कवर म्यूजियम का मिशन कहता है कि यह संग्रहालय रोजमर्रा की जिंदगी में दैनिक उपयोग की चीजों की सराहना के लिए समर्पित है। इस संग्रहालय में ढाई इंच की बार्बी डॉल की नन्ही सी छतरी से लेकर छह फुट लंबा छाता भी मौजूद है। 7 जुलाई 2012 को गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स ने हॉफमैन के 730 छातों के संग्रह को दुनिया का सबसे बड़ा अंब्रेला म्यूजियम माना।

चीन छाता संग्रहालय, चीन

चीन का हांगझोऊ आर्द्र जलवायु वाला शहर है। यहां काफी बारिश होती है। हांगझोऊ को चीनी छाते का जन्मस्थान भी माना जाता है। यहां के इस छाता संग्रहालय में तुम्हें छाते से जुड़े कई

सवालों के जवाब मिल सकते हैं। चीन के पहले छाता संग्रहालय के रूप में यह छाता संस्कृति, छाता इतिहास, छाता कथा और छाता निर्माण प्रक्रिया को व्यापक रूप से प्रदर्शित करता है। इस संग्रहालय को इस तरह से डिजाइन किया गया है कि इसके भीतर तुम्हें बारिश में खड़े होने का अहसास होगा। संग्रहालय के अंदर, मल्टीमीडिया उपकरणों द्वारा निर्मित आभासी बारिश का दृश्य और पानी का धुआं सा यानी कोहरा सा दिखाई देता है। संग्रहालय की दीवारों को टाइल ग्रे रंग से रंगा गया है। संग्रहालय के छह ब्लॉक्स में छतरियों की उत्पत्ति, विभिन्न श्रेणियां, कला -संस्कृति और आधुनिक छातों को प्रदर्शित किया गया है। इसके अलावा संग्रहालय के अंदर एक इंटरैक्टिव जोन भी है। जहां पर्यटक छतरियों के पुर्जे जोड़ने, छतरी रंगने और छतरियों की मरम्मत करने जैसी एक्टिविटीज में हिस्सा ले सकते हैं। *

देश में बन रहा रेन म्यूजियम

बच्चो, अपने देश में कोई छाता संग्रहालय तो नहीं है। लेकिन दुनिया के पहले रेन म्यूजियम का निर्माण किया जा रहा है। बच्चो, दुनिया में सबसे अधिक वर्षा वाले स्थान मेघालय के मॉसिनराम में दुनिया का पहला वर्षा संग्रहालय बनाया जा रहा है। तुम्हें बताते चलें कि मॉसिनराम, धरती का सबसे ज्यादा बारिश वाला स्थान है, जहां हर साल 11,000 मिमी से ज्यादा बारिश होती है। 35 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले इस वर्षा संग्रहालय के अंदर पर्यटकों को वर्षा और इसके इतिहास के बारे में जानने का मौका मिलेगा। इमेजिन करो, तुम एक ऐसे कमरे में प्रवेश कर रहे हो, जहां बारिश हो रही है। इस एक्सपीरियंस के लिए यहां एक इनडोर रेन जोन भी बनाया जा रहा है, जिसका उद्देश्य वर्षा के दौरान रेन म्यूजियम के भीतर भी इस पहाड़ी गांव से गुजरने के अनुभव को जीवंत बनाना है। भारत का मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) और इसरो वास्तविक समय के डेटा का उपयोग करते हुए वर्षा को कैसे मापते हैं? जलवायु परिवर्तन के संदर्भ में इसका क्या अर्थ है, इस पर यहां इंटरैक्टिव प्रदर्शनियां लगाई जाएंगी।

बच्चो, रक्षाबंधन का इंतजार हर भाई-बहन को होता है। भाई-बहन के प्यार भरे रिश्ते का महत्व बताने वाले इस त्योहार से जुड़ी अनेक कथाएं, किंवदंतियां और ऐतिहासिक किस्से हैं। इनमें से कुछ के बारे में यहां बता रहे हैं।

कैसे शुरू हुआ रक्षाबंधन

पर्व
शिवानी छाया

बच्चो, भाई-बहन के प्यार और स्नेह को प्रकट करता है रक्षाबंधन का त्योहार। इस दिन बहनें अपने प्यारे भाई की कलाई पर राखी बांधती हैं, तिलक लगाती हैं और मिठाई खिलाती हैं। भाई भी अपनी प्यारी बहना को गिफ्ट देते हैं। साथ ही हमेशा अपनी बहन का साथ निभाने, उसकी रक्षा करने का वादा भी करते हैं। क्या तुमने कभी सोचा है कि रक्षाबंधन पर्व की शुरुआत कब और कैसे हुई? जानो, इसके बारे में।

रक्षाबंधन से जुड़ी पौराणिक कथाएं: एक पौराणिक कथा के अनुसार राजा बलि, भगवान विष्णु के परम भक्त और महादानी थे। एक बार, राजा बलि ने यज्ञ करके स्वर्ग पर अधिकार करने का प्रयास किया, जिससे भयभीत होकर देवराज इंद्र ने भगवान विष्णु से मदद मांगी। भगवान विष्णु, वामन का रूप धारण कर राजा बलि के द्वार पर पहुंचे और उनसे तीन पग भूमि दान में मांगी। राजा बलि ने इस मांग को स्वीकार कर लिया। वामन रूप धरे भगवान विष्णु ने तो एक पग में पूरी धरती और दूसरे पग में पूरा आकाश नाप दिया। अब क्या? अब वे तीसरा पग कहां रखें? तब राजा बलि ने अपना सिर आगे कर कहा कि आप अपना तीसरा पग मेरे सिर पर रख लीजिए। राजा की यह दानवीरता देख भगवान प्रसन्न हुए और राजा बलि को पाताल लोक का राजा बना दिया और उनसे वरदान मांगने को कहा। राजा बलि ने भगवान विष्णु से वरदान मांगा कि आप मेरे साथ पाताल लोक में ही चलकर रहें। भगवान विष्णु राजा बलि के साथ पाताल लोक में रहने चले गए। इससे माता लक्ष्मी और सभी देवता चिंतित हो गए। माता लक्ष्मी एक गरीब महिला का रूप धारण कर महाराज बलि के पास पहुंची और उन्हें राखी बांधी। जब राजा बलि ने राखी के बदले में कुछ मांगने को कहा, तो माता लक्ष्मी अपने असली रूप में आ गईं और उन्होंने राजा बलि से कहा कि वह भगवान विष्णु को बैकुंठ धाम जाने दें। राखी का मान रखते हुए राजा बलि ने माता लक्ष्मी की बात मान ली। फिर भगवान विष्णु माता लक्ष्मी के साथ अपने धाम को लौट गए। बच्चो, हर साल हिंदू पंचांग के अनुसार श्रावण मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि को रक्षाबंधन त्योहार मनाया जाता है, क्योंकि इसी तिथि को माता लक्ष्मी ने राजा बलि को राखी बांधी थी।

एक दूसरी कथा महाभारत में वर्णित है- जब भगवान श्रीकृष्ण ने शिशुपाल का सुदर्शन चक्र से वध किया, तो इस दौरान उनकी अंगुली घायल हो गई थी और उससे खून बहने लगा था। भगवान कृष्ण की अंगुली से खून बहते देखकर द्रौपदी ने अपनी साड़ी का एक टुकड़ा फाड़कर उनकी अंगुली में बांध दिया। इस चीर (वस्त्र) के बदले में श्रीकृष्ण ने द्रौपदी को हर संकट से बचाने का वचन दिया। आगे चलकर अपने वचन का मान रखते हुए भगवान श्रीकृष्ण ने द्रौपदी के चीरहरण के समय उनकी रक्षा की।

रक्षाबंधन से संबंधित ऐतिहासिक किस्से: कहा जाता है कि सिकंदर ने जब पोरस के राज्य पर आक्रमण किया तो सिकंदर की पत्नी रोक्साना ने राजा पोरस को राखी भेजकर युद्ध में सिकंदर को नुकसान न पहुंचाने का अनुरोध किया था।

एक अन्य प्रसंग चित्तौड़ की महारानी कर्णावती का है, जिन्होंने हुमायूं को राखी भेजकर अपने राज्य को आक्रमणकारियों से बचाने का निवेदन किया था। हुमायूं ने रानी कर्णावती को बहन माना और उनकी मदद की।

ब्रिटिश राज में, 1905 में बंगाल विभाजन के दौरान देशवासियों को एकजुट करने के लिए रवींद्रनाथ टैगोर ने हिंदुओं-मुसलमानों को एक-दूसरे को राखी बांधने का आह्वान किया था। *

कविता / वसीम अहमद नगरामी

रक्षाबंधन के दिन

रक्षाबंधन के दिन तितली
चुपके-चुपके आई।
बोली, भंवरे भैया अपनी
आगे करो कलाई।
लाई हूं सुंदर सी राखी
लो भैया बंधवा लो,
मैंने बनाई खास मिठाई
लो थोड़ी सी खा लो।

भंवरे ने राखी बंधवाई
बड़े मजे से खाई मिठाई।
खुश होकर तब तितली बोली
जुग-जुग जियो मेरे भाई।

तुम्हारे लिए नई किताब / विज्ञान भूषण

मीठे-प्यारे गीत

बच्चो, कुछ समय पहले तुम्हारे लिए मीठे-मीठे प्यारे गीतों की एक किताब 'बचपन है फुलवारी' छपकर आई है। इसके लेखक हैं राजा चौरसिया। इस किताब में कुल 32 गीत हैं। इन गीतों को पढ़ने में तुम्हें मजा तो आएगा ही, इनसे बहुत कुछ सीखने को भी मिलेगा। कई गीतों में प्रकृति के संरक्षण और वृक्षों की महत्ता को बताया गया है। *'आओ बढ़ाएं इस धरती पर, वृक्षारोपण से हरियाली।'* कुछ गीतों में हंसने, मुस्कुराने और खुश रहने के लिए प्रेरित किया गया है। जैसे- *'फूलों की कलियों सी भाए, मंद-मंद मुस्कान। तन-मन स्वस्थ, मस्त हैं रहते, हो न कोई नुकसान।'* कुछ बच्चे जरा सी परेशानी आने पर हताश हो जाते हैं। उनको अपना हौसला बढ़ाने के लिए इस किताब के कुछ गीत पढ़ने चाहिए। ऐसे ही एक गीत की पंक्तियां हैं, *'चाहे देर भले लग जाए, रंग परिश्रम लाता है। जिसमें रहती लगन निरंतर, वही सफलता पाता है।'* इनके अलावा कई और भी प्यारे गीत हैं। किताब के अंत में बच्चो, तुम एक मजेदार गीत 'चूहे का उत्तर' भी पढ़ सकते हो। *

किताब: बचपन है फुलवारी, **लेखक:** राजा चौरसिया
मूल्य: 125 रुपए, **प्रकाशक:** पाथेय प्रकाशन, जबलपुर

जीके क्विज-165

1. हाल ही में किस अभिनेत्री को बेस्ट एक्ट्रेस का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिला?
2. दिल्ली की वर्तमान मुख्यमंत्री कौन हैं?
3. भारत में पहली एसटीडी फोन सेवा देश के किन दो शहरों के बीच शुरू की गई थी?
4. सात हजार से अधिक प्रायद्वीपों का समूह कहां स्थित है?
5. भारत के प्रथम नोबेल पुरस्कार विजेता कौन थे?
6. ब्रिटिश काल में 'दीनबंधु' के नाम से कौन से महापुरुष प्रसिद्ध हुए थे?
7. गौतम बुद्ध ने अपना प्रथम उपदेश कहां दिया था?
8. भारत के पहले सुपर कंप्यूटर का नाम क्या था?
9. एक्स-रे का आविष्कार किसने किया था?
10. रिक्टर स्केल से क्या मापा जाता है?

बच्चों, जीके क्विज-165 का उत्तर 'बालभूमि' के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें **balbhoomihb@gmail.com** पर मेल कर सकते हो।

जीके क्विज-164 का उत्तर : 1. 29 अगस्त, 2.दिव्या देशमुख, 3.उपराष्ट्रपति, 4.नई दिल्ली, 5.राष्ट्रपति, 6.बृहस्पति, 7.चिल्का झील, 8.राजस्थान, 9.त्वचा (स्किन), 10.विवेक एक्सप्रेस

जीके क्विज-164 का सही उत्तर देने वाले : चंचल-गरियाबंद, सौरभ-बिलासपुर, संजना-रोहतक, आद्या-उमरिया, सौम्या-जांजगीर, स्वप्निल-जांजगीर, उमेश-धमतरी, नैतिक-मानपुर, अश्विनी-राजनांदगांव, कबीर-हिसार

कहानी
हरीश कुमार अमित

राखी का त्योहार आया तो अदिति ने अपने भाई क्षितिज को सरप्राइज देने की सोची। उधर क्षितिज ने भी अपनी बहन को सरप्राइज देने की सोच रखी थी। मजे की बात हुई कि अदिति-क्षितिज के मम्मी-पापा ने भी अपने बच्चों को ऐसा सरप्राइज दिया कि उनका राखी का त्योहार सबके लिए सरप्राइज भरा हो गया।

सरप्राइज वाली राखी

रक्षाबंधन वाले दिन की सुबह अदिति अपने आप ही जाग गई थी, वरना स्कूल जाने वाले दिनों में तो हर रोज मम्मी को उसे जगाना पड़ता था। बिस्तर से उतरकर अदिति ने देखा कि उसका भैया क्षितिज, उससे पहले ही जाग चुका था। वह ब्रश कर रहा था। अदिति और क्षितिज जुड़वां भाई-बहन हैं। क्षितिज को देखते ही अदिति बोली, 'भैया, आज तो राखी वाला दिन आ गया है। अब तो अपना सरप्राइज बता दो।'

'अभी नहीं, बाद में बताऊंगा, और तुमने कब बताया अपना सरप्राइज?' क्षितिज अपनी आंखों की पुतलियां नचाते हुए बोला।

'मैं भी बाद में बताऊंगी।' अदिति यह कहकर हंस दी। 'ठीक है।' क्षितिज ने कहा और फिर नहाने चला गया। दरअसल, पिछले कुछ दिनों से अदिति और क्षितिज एक-दूसरे से कह रहे थे कि राखी वाले दिन एक सरप्राइज देंगे। थोड़ी देर बाद तैयार होकर अदिति, क्षितिज को राखी बांधने के लिए थाली सजाकर लाई। फिर कुर्सी पर बैठे क्षितिज के सामने डाइनिंग टेबल पर थाली रख दी। तभी मम्मी-पापा भी वहां आ गए।

अदिति जब क्षितिज को राखी बांधने लगी तो उसने बताया कि जो राखी वह बांधने जा रही है, वह उसने अपने हाथों से बनाई है। यह जानकर क्षितिज को आश्चर्य हुआ। वह बोला, 'अपने हाथों से...! अपने आप कैसे बना ली इतनी सुंदर राखी तुमने? यह तो बाजार में मिलने वाली राखी जैसी ही लग रही है।'

'इस राखी को मैंने बड़ी मेहनत से बनाया है। इसे बनाने के तरीके के बारे में टीचर जी से भी पूछा और मम्मी की मदद भी ली।' अदिति ने बताया।

अदिति ने राखी बांध दी तो क्षितिज ने पास ही रखी कपड़े से ढंकी किसी चीज पर से कपड़ा हटाया। एक रंग-बिरंगी गुल्लक अदिति की ओर बढ़ाते हुए वह बड़े स्नेह से बोला, 'यह मेरी तरफ से राखी का उपहार है।'

'अरे वाह, इतनी सुंदर गुल्लक!' गुल्लक को देखते ही अदिति बहुत खुश हो गई। 'इसे खुद बनाया है मैंने।' क्षितिज ने बताया। 'क्या, इसे खुद बनाया है तुमने, भैया?' अदिति ने अचरज से पूछा। 'हां, मैंने खुद बनाई है यह, राखी पर तुम्हें देने के लिए।' क्षितिज ने मुस्कुराते हुए जवाब दिया।

'लेकिन इसे तुमने बनाया कैसे?' अदिति ने सवाल किया। 'कार्ड बोर्ड, गोंद, सेलो टेप और रंगीन कागजों से बनाई है यह गुल्लक। इसे बनाने के लिए मैंने भी अपने स्कूल के टीचर जी की मदद ली और पापा से भी पूछा।' क्षितिज ने बताया। अदिति गुल्लक को हाथों में लेकर बोली, 'तुम्हारी बनाई गुल्लक मुझे बहुत पसंद आई।'

'तुमने भी तो बहुत सुंदर राखी बनाई है! कितनी प्यारी लग रही है! मैं इसे हमेशा संभालकर रखूंगा।' क्षितिज ने कलाई पर बंधी राखी पर बड़े प्यार से हाथ फेरते हुए कहा।

अदिति बोली, 'भैया, तुम्हारी गुल्लक भी बहुत सुंदर बनी है। मैं भी इसे हमेशा संभालकर रखूंगी।'

तभी पापा क्षितिज से बोले, 'लेकिन राखी के त्योहार पर क्या तुम अपनी बहन को खाली गुल्लक ही दे रहे हो?'

'नहीं पापा, इसमें मैंने अपनी पॉकेट मनी से बचाकर रखे कुछ रुपए भी डाल दिए हैं।' क्षितिज बोला। 'कितने रुपए डाले हैं गुल्लक में?' मम्मी ने पूछा।

'मम्मी, यह भी सरप्राइज है।' क्षितिज ने हंसते हुए जवाब दिया।

'अच्छा तो तुम दोनों के सरप्राइज के बाद अब मेरी ओर से भी एक सरप्राइज है।' मम्मी ने मुस्कुराते हुए कहा तो सब उनकी ओर देखने लगे। 'आज मैंने तुम सबकी फेवरेट किशमिश वाली खीर बनाई है और साथ ही गरमा-गरम प्याज की कचौरियां भी।' मम्मी ने हंसते हुए बताया। 'वाह, मुंह में पानी भर आया है मम्मी!' क्षितिज खुशी से चहकते हुए बोला।

'आज तो बहुत मजा आएगा नाश्ते का।' खुशी से उछलते हुए अदिति भी बोली।

तभी पापा बोले, 'एक सरप्राइज मेरी तरफ से भी है..।' 'क्या सरप्राइज, पापा?' अदिति ने पूछा। क्षितिज भी उत्सुकता से पापा की तरफ देखने लगा। 'थोड़ी देर पहले तुम्हारी बुआ जी का फोन आया था। मुझे राखी बांधने के लिए उन्हें दिल्ली आना था, लेकिन आज सुबह उनके पैर में मोच आ गई है। इसलिए यहां आने का अपना प्रोग्राम उन्हें कैंसिल करना पड़ा है। अब हम सभी नाश्ता करके थोड़ी देर बाद आगरा चलेंगे, तुम्हारी बुआ जी के यहां जाने के लिए। कल इतवार की छुट्टी है। आज रात हम तुम्हारी बुआ जी के यहां रुक जाएंगे, कल वापस दिल्ली आने से पहले आगरा में ताजमहल, आगरा का किला, सिकंदरा वगैरह देख लेंगे।'

'अरे वाह पापा, तब तो खूब मजा आएगा!' क्षितिज ने कहा। 'यह तो दो दिन लंबी पिकनिक हो जाएगी।' अदिति भी खुशी से ताली बजाने लगी।

'इस बार की राखी बहुत मजेदार है।' क्षितिज बोला।

'सरप्राइज वाली राखी।' अदिति ने कहा तो बाकी सब हंसने लगे। *

कविता
डॉ. फहीम अहमद

नेह बंधन

बहना करती है भाई का
प्यार भरा अभिनंदन।
रंग-बिरंगे लाई धागे,
बहना यही दुआएं मांगे,
भाई रहे सदा ही आगे।
नेह भरा बंधन है पावन,
प्यारा रक्षाबंधन।
सूरज जैसा दमके भाई,
चंदा जैसा चमके भाई,
नाम कमाए जग में भाई।
यश फैले जग में भाई का,
जैसे महके चंदन।
फूलों भरी सदा हो राहें।
भाई को सब लोग सराहें,
पाएं हर मंजिल जो चाहें।
फूलों सा जीवन हो उनका
है प्रभु से यह वंदन।
जगमग हो भाई का आंगन,
भरा रहे खुशियों से दामन,
बना रहे यह बंधन पावन।
रिश्तों में महसूस करें नित,
नेह भरा स्पंदन।।

रंग भरो-181

रंग भरो-181 में दिए गए चित्र को तुम लोगों ने बहुत अच्छे से रंगकर हमें भेजा। उनमें से चुना गया सबसे अच्छा चित्र हम यहां प्रकाशित कर रहे हैं। उसे रंगकर भेजने वाले बच्चे के चित्र के साथ कुछ अन्य बच्चों के नाम और चित्र भी प्रकाशित कर रहे हैं।

प्रगति, बिलासपुर

हिताक्षी, महेंद्रगढ़

आशना, जांजगीर

पूर्वी, बिलासपुर

आन्या, बिलासपुर

मानस, राजनांदगांव

इनके भी चित्र रहे प्रशंसनीय

सार्थक-रायपुर, वेदिका-बालोद, कनिका-रोहतक, लोकेश-जबलपुर, प्रिया-महासमुंद, यश-रायगढ़, खुशी-भिवानी, राशि-जांजगीर, कविता-कटनी, हितेश-दिल्ली, राकेश-धमतरी, अंकित-गुना, डिंपल-करनाल, साकेत-बिलासपुर, कोमल-कोरबा

रंग भरो 182

बच्चो, यहां दिए गए ब्लैक एंड व्हाइट चित्र में पिंकी अपने भाई राजू को राखी बांध रही है। तुम इस प्यारे-से चित्र को मनचाहे रंगों से रंग कर हमें भेजो। जिस बच्चे का चित्र सर्वश्रेष्ठ होगा, उसे हम **बालभूमि** में प्रकाशित करेंगे। चित्र के साथ अपनी फोटो, अपना और शहर का नाम हमें इस पते पर भेजो- संपादक - फीचर, हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सेंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली- 110035 या ई-मेल आईडी balbhoomihb@gmail.com पर मेल करो।

खबर संक्षेप

भिवानी। कालेज प्राचार्य को राखी बांधते ब्रह्मकुमारीज बहन।

ग्राम उत्थान से ही हमारे समाज उत्थान संभव

चरखी दादरी। आध्यात्मिकता के बल से प्रदर्शन, परचिंतन और परमत को छोड़ ईश्वरीय मत, दिव्य गुणों के बंधन में बंधना ही सच्चा रक्षा बंधन है। यह उद्गार प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय झोझूकलां के तत्वावधान में चलाए जा रहे अभियान नशामुक्त सद्भावना युक्त समाज निर्माण व रक्षाबंधन विषय को लेकर राजकीय महाविद्यालय मांढी हरिया, महिला कॉलेज झोझू कलां, एमडी एकेडमी, एमएस स्कूल बेरला, एमडी कोंवेंट स्कूल, राजकीय वमा विद्यालय बेरला में रक्षासूत्र बांधते हुए ब्रह्माकुमारी ज्योति ने व्यक्त किए।

आंखों के निःशुल्क शिविर का आयोजन

बाढड़ा। खंड के जेवली गांव में निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया जिसमें आठ सौ लोगों ने रजिस्ट्रेशन कराया जिसमें से सौ लोगों में मोतियाबिंद की पुष्टि हुई है। शिविर का उद्घाटन क्रेशर एसोसिएशन प्रदेश अध्यक्ष व समाजसेवी सोमबीर घसोला ने किया। क्रेशर एसोसिएशन प्रदेश अध्यक्ष व समाजसेवी सोमबीर घसोला ने कहा कि मानव जीवन में जनसेवा जरुरी है।

बरसाती पानी में सैंकड़ों एकड़ फसल डूबी, किसानों को हुआ भारी नुकसान

किसानों ने खेतों में जमा बरसात के पानी की निकासी व मुआवजे की उठाई मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

गांव कलिंगा अमरूपाना के खेतों मे आई तेज बारिश के बाद 15 दिनों से खेतों में दो से तीन फीट पानी जमा हैं। खेतों में दो से तीन फीट पानी जमा होने से किसानों की फसल डूबकर नष्ट हो गई हैं। बरसाती पानी की वजह से किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा हैं। किसानों ने जिला प्रशासन से खेतों से बरसाती पानी की निकासी करवाने व बर्बाद फसलों को मुआवजा दिलवाने की मांग की हैं। इसके साथ ही किसानों ने धरना प्रदर्शन की भी चेतावनी दी।

किसानों ने बरसाती पानी की निकासी के लिए जिला प्रशासन को शिकायत दी हैं, इसके बावजूद भी खेतों से पानी की निकासी का कोई प्रबंध नहीं किया गया, जिसके चलते किसानों में भारी रोष बना हुआ है। किसानों ने जल्द ही बरसाती पानी की निकासी नहीं किए जाने पर जिला प्रशासन के खिलाफ धरना प्रदर्शन करने की चेतावनी दी है। वहीं किसानों ने बरसाती पानी से बर्बाद हुई फसल का मुआवजा दिए जाने की भी मांग की है। गांव कलिंगा अमरू पाना निवासी किसान विष्णु परमार फौजी, नरेन्द्र

मांगे पूरी न होने पर धरना प्रदर्शन की दी चेतावनी

भिवानी। गांव कलिंगा अमरूपाना के खेतों में जमा बरसाती पानी में डूबी फसल।

फौजी, बिजेन्द्र फौजी, कालू फौजी, छिदा जयराम, अजीत, प्रवीण, सुरेश, साबू, चरणसिंह, प्रीतम, कृष्ण, धर्मबीर, जोनी, सेरू मास्टर व मदन आदि किसानों ने बताया कि पिछले दिनों जिले में हुई भारी बारिश से जमा हुए पानी में करीब 500 एकड़ फसल डूब गई। उन्होंने बताया कि खेतों में अभी भी दो से तीन फीट पानी जमा है। किसानों का कहना है कि बाजरा, कपास, धान की फसल पानी में डूबकर नष्ट हो गई है जिसकारण किसानों को भारी नुकसान हुआ हैं।

उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन को शिकायत किए जाने के बावजूद बरसाती पानी नहीं निकाला जा रहा है। किसानों ने प्रशासन से मांग की कि वे पानी को जल्द ही निकालने की व्यवस्था करें, अन्यथा मजबूरीवश किसानों को धरना प्रदर्शन का रास्ता अपनाना पड़ेगा, जिसकी जिम्मेदारी जिला प्रशासन की होगी।

तोशाम व बवानी खेड़ा के अनेक गांव हुए जलमग्न पानी निकासी का पुख्ता प्रबंध किया जाए : अनिरुद्ध

तोशाम। बीसीसीआई के पूर्व कोषाध्यक्ष एवं कांग्रेस नेता अनिरुद्ध चौधरी ने तोशाम क्षेत्र तथा बवानी खेड़ा क्षेत्र के विभिन्न गांव तथा खेतों में जलभराव होने से हुए किसानों के नुकसान को लेकर सरकार से किसानों के लिए मुआवजे की मांग करते हुए जल्द से जल्द पानी निकासी का प्रबंध करवाने की अपील की है। उल्लेखनीय है कि गत दिनों बरसाती जलभराव के चलते तोशाम क्षेत्र के गांव सागवान, दांग खुर्द, दांग कला सहित बवानीखेड़ा क्षेत्र के गांव रामपुरा, बलियाली, कुंगड़, पुर, सिवाड़ा, तालु आदि में जल भराव होने से खेत तो पूरी तरह पानी से डूब भी गए थे वहीं गांव में भी रिहायसी क्षेत्र में जलभराव हो गया जिससे घरों के अंदर भी दो से तीन फीट तक पानी जमा हो गया। इन परिस्थितियों में ग्रामीणों का जीना मुहाल हो गया और किसानों का खेतों से तो संपर्क टूटा ही बल्कि अनेक किसान तो अपने घरों को छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर पलायन भी कर चुके हैं। ऐसे में बारिश की और संभावनाओं के चलते अधिकारी भी स्पष्ट रूप से यह नहीं कह पा रहे हैं कि खेतों तथा गांव से पानी कब तक पूरी तरह निकल पाएगा जिससे ग्रामीणों का जनजीवन एक बार फिर वापस पटरी पर कब लौटेगा और किसान अपनी उम्मीदों को खेतों के जरिए कब हरा-भरा कर पाएंगे।

बरसाती व सीवरेज के पानी को निकलवाने के लिए विधायक के भाई स्वयं मौके पर पहुंचे

बवानीखेड़ा। बवानी खेड़ा में जगह-जगह जमा बरसाती पानी व सीवरेज के गंदे पानी की निकासी को लेकर जहां एक तरफ लोगों का आक्रोश बढ़ता जा रहा है वही विधायक कपूर वाल्मीकि के चंडीगढ़ होने पश्चात उनके बड़े भाई मा. राजेश वाल्मीकि मौके पर पहुंचे और जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारियों संग मिलकर मौका निरीक्षण किया और तुरंत पानी निकासी के आदेश दिए। हालांकि बुधवार को भिवानी के एसडीएम महेश कुमार ने भी बवानी खेड़ा में अनेक स्थानों पर मौका निरीक्षण किया था और अधिकारियों को साफ निर्देश दिए थे कि किसी भी सूरत में समस्याएं बर्दाश्त नहीं की जाएगी और उन्होंने पानी निकासी के आदेश दिए थे। वहीं वीरवार को एक तरफ विधायक के छोटे भाई राकेश वाल्मीकि ने गांवों का दौरा किया और लोगों से समस्याएं सुनी वहीं विधायक के बड़े भाई राजेश वाल्मीकि ने मौके पर पहुंचकर पानी निकलवाने का कार्य किया।

तोशाम। गांव बजीणा में ग्रामीणों को जनजागरण अभियान के दौरान जागरूक करते एसयूसीआई कम्युनिष्ट पार्टी के पदाधिकारी। फोटो : हरिभूमि

बिजली दरों में वृद्धि को वापस करने की उठाई मांग

■ एसयूसीआई कम्युनिस्ट पार्टी ने गांव बजीना में चलाया जनजागरण अभियान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तोशाम

एसयूसीआई कम्युनिस्ट पार्टी ने तोशाम क्षेत्र के गांव बजीना में बिजली दरों में की गई भारी भरकम वृद्धि की कड़ी आलोचना की तथा इसे वापस करवाने के लिए गांव के पंचायत घर में बैठक कर जनजागरण अभियान चलाया। इस मौके पर पार्टी के पदाधिकारियों व ग्रामीणों ने बढाए गए रेटोंके खिलाफ विरोध जताया। इस मौके पर पार्टी के राज्य सचिव मंडल सदस्य कामरेड रामफल ने बताया कि भाजपा सरकार की रेटों में बढ़ोतरी करके निजीकरण करने की गहरी साजिश है, जिसको जनता हरगिज कामयाब नहीं होने देगी। एसयूसीआई कम्युनिस्ट पार्टी बिजली दरों में बढ़ोतरी का डटकर विरोध करेगी, बिजली के स्मार्ट मीटर लगाने के विरोध में, बिजली निगम के निजीकरण के खिलाफ, बिजली के बढ़ाए गए रेटों के खिलाफ और एडवांस सिक्योरिटी चार्ज के नाम से आम जनता से नाजायज लूट के खिलाफ। पार्टी के जिला सचिव रोहतास सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा सरकार ने फिक्स चार्ज लगाकर तथा रेट बढ़ाकर प्रदेश के बिजली उपभोक्ताओं की कमर तोड़ दी है। पहले ही आम जनता लगातार बढ़ती मंहगाई-बेरोजगारी से परेशान है, ये सब पूंजीपति वर्ग की मुनाफाखोर कम्पनियों को फायदा पहुंचाने के लिए किया जा रहा है। बिजली के रेट पहले ही बहुत अधिक थे, जनहित के खिलाफ हरियाणा सरकार ने एक बार फिर बिजली दरों में कटौती की बजाय वृद्धि कर दी है। उन्होंने सरकार से बढ़ाए गए रेट वापस लेने, बिजली कानून 2003 को रद्द करने, बिजली बिल 2023 निरस्त करने और स्मार्ट मीटर स्कीम पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाने की मांग की। इस दौरान विरोध प्रदर्शन में दलीप रंगा, सत्यनारायण, चिरजीलाल, प्रेम, बिमला, रीना, मूर्ति आदि मौजूद थे।

शिक्षा के साथ-साथ खेलों में भी रुचि रखें विद्यार्थी : सतीश कुमार

भिवानी। खो-खो खेल में अव्वल स्थान प्राप्त करने वाली टीम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भीम स्टेडियम में आयोजित खंड स्तरीय खेल प्रतियोगिता में ढ़ाणा लाडन पुर के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के अंडर -14 में लडक़ों की टीम ने खो-खो खेल में बाजी मारते हुए प्रथम स्थान हासिल किया। विद्यालय के समस्त स्टाफ ने उक्त टीम में बधाई दी है। विद्यालय के पीटीआई रणबीर सिंह काफी दिनों से अपने खिलाडियों को तैयार कर रहे थे। उनकी मेहनत रंग लाई और बच्चे अव्वल रहे। विद्यालय के प्राचार्य सतीश कुमार ने प्रार्थना-सभा में बच्चे को बधाई बताया कि खेल सर्वांगीण विकास के लिए अत्यंत जरूरी है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी शिक्षा के साथ-साथ खेल में रुचि रखें।

जान गंवाने वालों की स्मृति में मनाया जाएगा विभाजन विभीषिका दिवसः कृष्ण लाल मिड्ढा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

हरियाणा विधानसभा के उपाध्यक्ष डॉ. कृष्ण लाल मिड्ढा ने कहा कि 14 अगस्त को फरीदाबाद में आयोजित होने वाला राज्य स्तरीय विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस प्रदेश की जनता को विभाजन की त्रासदी और उससे जुड़ी ऐतिहासिक घटनाओं की याद दिलाने का कार्य करेगा तथा आगामी पीढियों को इतिहास से जोडऩे में सहायक सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस मनाकर हमारे पूर्वजों की शहादत की याद दिलाकर उन्हें सम्मान दिया है। इसे पहली बार 2021 में प्रधानमंत्री मोदी की घोषणा के बाद यह दिवस मनाया गया था। डॉ. कृष्ण

भिवानी। आयोजित कार्यक्रम में एकत्रित लोगों को संबोधित करते हरियाणा विधानसभा के उपाध्यक्ष डॉ. कृष्ण लाल मिड्ढा।

लाल मिड्ढा वीरवार को पंचायत भवन में विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर नागरिकों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बताया कि फरीदाबाद में 14 अगस्त को आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी बतौर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। विभाजन की विभीषिका में जान गंवाने वाले पूर्वजों को भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी जाएगी। उन्होंने नागरिकों का आह्वान किया कि वे इस कार्यक्रम में अपने बच्चों को अवश्य लेकर आएं ताकि वे अपने पूर्वजों के बलिदानों के बारे में जानकारी हासिल करें और उनसे प्रेरणा ले सकें। कहा कि यह एक ऐतिहासिक कार्यक्रम होगा, जिसमें प्रदेशभर से समाज के सभी वर्गों के लोग भारी संख्या में भाग लेंगे। डॉ. मिड्ढा ने कहा कि देश के विभाजन विभीषिका में हमारे पूर्वजों ने ऐसी अनेक पीड़ाएं सही, जिन्हें बयां नहीं किया जा सकता। कहा कि ये अत्यंत दुख का विषय है कि आजादी के बाद से लेकर 2014 तक किसी ने उनकी सुध नहीं ली। पूर्व वित्त मंत्री जेपी दलाल, भाजपा जिलाध्यक्ष विरेन्द्र कौशिक, भाजपा नेता विशाल सेठ, एडवोकेट सोहन लाल मक्कड़ व विनोद चावला आदि ने विभाजन विभीषिका के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

न्यूज डायरी

सरकार जानबूझ कर किसानों को उपेक्षित करने में जुटी : सुरेश कौंथ

बाढड़ा। संयुक्त किसान मोर्चा के बैनर नीचे कस्बे की अनाज मंडी में संचालित धरने पर आज किसान मजदूर मोर्चा प्रदेश संयोजक सुरेश कोंथ ने पहुंच कर सरकार की किसान विरोधी मानसिकता का विरोध किया तथा जल्द से जल्द मुआवजा राशी वितरण न करने पर आंदोलन को तेज करने का अल्टीमेटम दिया। कस्बे की अनाज मंडी में आयोजित धरने को संबोधित करते हुए किसान मजदूर मोर्चा प्रदेश संयोजक सुरेश कोंथ ने कहा कि केन्द्र व प्रदेश सरकार पूंजीपतियों के दबाव किसान कृषि व कमेरे वर्ग को कमजोर कर रही ताकि इनकी संतान उच्च शिक्षा ग्रहण नहीं कर पाए और अपने अधिकार नहीं मांग सके। सरकार को जिस योजना में लाभ मिलता है और अपने उद्योगपति मित्रों का लक्ष्य पूरा हो उसका गुणगान कर अपनी जेब भरती है। देश में जहां जहां पीएम फसल बीमा कंपनियां संचालित हैं वहां वहां गरीब किसान के साथ गोलमाल व मजबूरीवश धरना प्रदर्शना चल रहा है। धरने पर सामाजिक कार्यकर्ता गुणपाल जेवली ने धरने के लिए बीस गद्दे दान किए। धरने पर किसान नेता राजकुमार हड़ोदी, रणधीर सिंह कुंगड़, रामपाल धारणी, सुमेर भांडवा, मास्टर रघुबीर सिंह,नरेश कादयान, पारस काकड़ौली, करतार गोपी, सीटू नेता सूमेर सिंह धारणी महेंद्र सिंह जेवली, भूप सिंह धारणी, ब्रह्मपाल बाढड़ा, प्रताप हंसावास, ओम प्रकाश नंबरदार, हवासिंह, नसीब कारी, रमेश, करतार खोरड़ा आदि मौजूद रहे।

राखी बनाओं स्पर्धा का आयोजन किया

बाढड़ा। गांव कारीदास स्थित प्राथमिक पाठशाला परिसर में स्कूल इंचार्ज अनिल कुमार की अगुवाई में नन्हे मुन्नों के बीच राखी बनाओं स्पर्धा का आयोजन किया गया। बच्चों ने बडे ही उत्साह के साथ घरेलू सामान का उपयोग करते हुए सुंदर सुंदर राखिया बनाई। स्पर्धा में रुचिका की राखी ने प्रथम स्थान स्नेहा की राखी ने दूसरा व साक्षी की राखी ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। मास्टर सुदंरपाल फौगाट ने बताया कि रक्षा बंधन शब्द के अर्थ पर जाएं तो रक्षा का मतलब होता है सुरक्षा यानी राखी एक ऐसा बंधन है जो सुरक्षा का वचन देता है। बहनें अपने भाईयों की कलाई पर राखी बांधकर उनके स्वस्थ, सुखद और लंबी आयु वाले जीवन की कामना करती हैं। इसके बदले में भाई बहन को उपहार देकर उनकी रक्षा का संकल्प लेते हैं। विज्ञान अध्यापक रविंद्र कुमार ने कहा कि आज के समय रक्षा बंधन का स्वरूप बदलता जा रहा है और इसका उद्देश्य रिश्तों को मजबूती देना है। आज के समय बहनें भी भाईयों की रक्षा का प्रण लेती हैं। कई जगहों पर लड़कियां सैनिकों, डॉक्टर, पुलिसकर्मी को राखी बांधती हैं और समाज की रक्षा करती हैं। इससे यह पर्व एक व्यापक सामाजिक भावना को भी दिखाता है इस अवसर पर डॉ मनोज कुमार,प्रवक्ता नरेश कुमार, प्रवक्ता एसएमसी प्रधान संतोष,आंगनवाड़ी वर्कर निर्मला देवी, दर्शना देवी, बबीता देवी, रेखा देवी, रोशनी देवी आदि उपस्थित थे।

मांढ़ी केहर बाला जी मंदिर से गूंजे जयकारे,तीन दिवसीय तीव्र पदयात्रा का शुभारंभ

बाढड़ा। भक्ति,अनुशासन और संकल्प का अद्वितीय संगम उस समय देखने को मिला जब मांढ़ी केहर नैशनल हाईवे पर स्थित बाला जी मंदिर से डाक कांवड़ के रूप में श्रद्धालुओं का विशेष जथा सालासर बालाजी धाम के लिए रवाना हुआ। श्रद्धा इसी बात से देखी जा सकती है कि सुबह से ही मंदिर परिसर में भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी थी, जहां विशेष पूजा-पाठ और हवन के बाद यात्रा का विधिवत शुभारंभ हुआ। पदयात्रा में सुखमोज मांढ़ी के नेतृत्व में इस बार करीब 25 से अधिक भक्तों ने भाग लिया। सालासर बाला जी धाम दर्शन कर डाक कावड लेकर लौटेंगे। इसके लिए भक्तों ने बाला जी मंदिर में पूजा कर,बाला जी के जयकारे लगाए और महिलाओं ने भक्ति गीत गाते हुए भक्तों को रवाना किया। यह तीव्रगामी यात्रा अगले तीन दिनों में सालासर बालाजी मंदिर पहुंचेगी, जहां भक्तगण हनुमान को जल और प्रसाद अर्पित कर, संकल्प की पूर्ति करेंगे। सरपंच अशोक कुमार, मंदिर कमेटी प्रधान राजपाल डांगी, प्रीतम शर्मा, ढीलू बागड़ी, रोशनलाल, विजय सिंह इत्यादि ने बताया कि बाला जी मंदिर का निर्माण सर्व समाज के सहयोग से 2010 में किया गया था।

समाधान शिविर में आई शिकायतों का प्राथमिकता से करें अधिकारी समाधान : एसडीएम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तोशाम

■ उपमंडल में सरकार की जन कल्याण कारी योजनाओं से कोई पात्र वंचित ना रहे

एसडीएम रवि मीणा आईएएस ने कहा कि समाधान शिविर में आई शिकायतों का समाधान अधिकारी प्राथमिकता से करें। उपमंडल में सरकार की जन कल्याण कारी योजनाओं से कोई पात्र व्यक्ति वंचित ना रहे। बरसात के मद्देनजर बरसाती पानी निकालने का प्रबंध सुनिश्चित करें। एसडीएम रवि मीणा वीरवार को अपने कार्यालय में समाधान शिविर में आए अधिकारियो को यह दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि समाधान शिविर के माध्यम से जरूरतमंद लोगों की सार्वजनिक व व्यक्तिगत शिकायतों का सरकारी आदेशानुसार प्राथमिकता से निदान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि डीसी साहिल गुप्ता के मार्गदर्शन में जिला व उपमंडल मुख्यालय पर प्रत्येक सोमवार व गुरुवार कार्य दिवस पर सुबह 10 से 12 बजे तक लगाए जा रहे समाधान शिविरों में लोगों की शिकायतों का समाधान सुनिश्चित किया जा रहा है। एसडीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि लंबित मामलों को प्राथमिकता के आधार पर हल किया जाए। उन्होंने उपमंडल में वीरवार को आयोजित समाधान शिविर में एसडीएम ने विभिन्न क्षेत्रों से आए लोगों की समस्याएं सुनी। नागरिकों की समस्याओं पर सुनवाई करते हुए एसडीएम ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए। एसडीएम ने कहा कि प्रशासन का मुख्य उद्देश्य लोगों की समस्याओं का समयबद्ध समाधान करना है। उन्होंने विकास एवं पंचायत विभाग तथा जन स्वास्थ्य अभियान्त्रिकी विभाग के

पुलिस ने नशे के प्रति किया जागरूक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चरखी दादरी

शहर की बाल्मीकि बस्ती में पुलिस ने लोगों को नशे के विरुद्ध जागरूक किया। नशामुक्त अभियान के तहत नशामुक्ति के लिए गठित की गई पुलिस टीम ने प्रभारी निरीक्षक फूलसिंह के नेतृत्व में अभियान चलाया। निरीक्षक फूलसिंह ने लोगों से संवाद किया तथा नशे के दुष्प्रभावों बारे में जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य केवल कानून व्यवस्था बनाए रखना नहीं है, बल्कि समाज में नशे के खिलाफ एक नई सोच विकसित करना भी है। उन्होंने कहा कि हर नागरिक की जिम्मेदारी है कि वह नशे से दूर रहे और यदि किसी परिचित को इस लत का सामना करना पड़ रहा है, तो उसे सही रास्ता दिखाने में मदद करें। उन्होंने कहा कि आप अपने बच्चों के साथ बातचीत करें और उन्हें नशे के दुष्परिणामों से अवगत करवाएं। उन्होंने कहा कि उन्हें बताएं कि नशा केवल बर्बादी की राह है, युवा पीढ़ी नशे से बचने के लिए खेलों की और रुझान करें ताकि युवा

देश के विकास में अपनी भागीदारी निभा सकें। उन्होंने कहा कि अगर आपके आसपास कोई नशे की लत से ग्रस्त है, तो आप मित्र बनकर उनकी मदद कर सकते हैं। उनसे बात करें और उनके दर्द को समझें। इससे न केवल उनकी हिम्मत बढ़ेगी, बल्कि वे नशे से मुक्ति पाने के लिए प्रेरित भी होंगे। पुलिस पीड़ित व्यक्ति की नशा छुड़वाने में पूर्ण मदद करेगी व सूचना देने वाले की तथा पीड़ित व्यक्ति की पहचान भी गुप्त रखी जाएगी।

सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन

कथा सुनने से में भक्ति का मार्ग प्राप्त होताः गोवर्धन

भगवान की लीलाओं का श्रवण करने से मन होता शुद्धः आचार्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

खाकी बाबा मंदिर गली स्थित श्रीलाल महादेव अखाड़े वाले मंदिर परिसर में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा अमृत महोत्सव जारी रही। कथा भक्ति भाव और आस्था के वातावरण में निरंतर पांचवें दिन भी प्रवाहित रही। कथा के पांचवें दिन भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं, गोवर्धन पूजा, महारास लीला और रुकमणि विवाह प्रसंग को समर्पित रहा, जिसमें श्रद्धालुओं ने भाव विभोर होकर कथा का श्रवण किया। इस अवसर पर महंत चरणदास महाराज का विशेष सानिध्य रहा। कथाव्यास स्वामी गोवर्धन आचार्य महाराज ने भगवान

भिवानी। श्रीलाल महादेव अखाड़े वाला मंदिर में श्रीमद्भागवत कथा सुनती श्रद्धालु।

श्रीकृष्ण के बाल्यकाल की चमत्कारी लीलाओं का वर्णन किया। उन्होंने बताया कि कैसे भगवान ने बाल रूप में पूतना, शकटासुर, त्रिणावर्त जैसे राक्षसों का उद्धार किया और गोकुलवासियों की रक्षा की। उन्होंने कहा कि श्रीकृष्ण की लीलाएं केवल चमत्कार नहीं बल्कि आध्यात्मिक शिक्षा और जीवन दर्शन की प्रेरणा हैं। वहीं गोवर्धन पूजा के प्रसंग में उन्होंने बताया कि भगवान श्रीकृष्ण ने इंद्र के अहंकार को तोड़ते हुए गोवर्धन पर्वत को अपनी छोटी अंगुली पर उठाकर ब्रजवासियों की रक्षा की। महारास लीला के दौरान रास मंडल में श्रीकृष्ण का प्रत्येक गोपी के साथ होना, उनकी अद्वितीय लीलाओं की महिमा को दर्शाता है। रुकमणि विवाह प्रसंग में श्रीकृष्ण की बुद्धिमत्ता, पराक्रम और सच्चे प्रेम की गाथा सुनाई गई, जिससे श्रोताओं की आंखें नम हो गईं। स्वामी गोवर्धन ने कथा के माध्यम से संदेश दिया कि भगवान की लीलाओं का श्रवण करने से मन शुद्ध होता है और व्यक्ति को जीवन में धर्म, करुणा, समर्पण और भक्ति का मार्ग प्राप्त होता है। उन्होंने कहा कि श्रीमद्भागवत केवल एक ग्रंथ नहीं, बल्कि जीवन को सुंदर, सरल और सार्थक बनाने की दिव्य शिक्षा है।

चरखी दादरी। पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक के पार्थिव शरीर के अंतिम दर्शन करती कांग्रेस नेत्री डॉ. मनीषा सांगवान। फोटो : हरिभूमि

पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक को राजकीय सम्मान नहीं मिलना निंदनीयः मनीषा

चरखी दादरी। कांग्रेस की वरिष्ठ नेत्री डॉ. मनीषा सांगवान ने कहा कि पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक को राजकीय सम्मान नहीं मिलना बेहद निंदनीय है। इसको पीछे सरकार की घटिया सोच उजागर हुई है। मनीषा सांगवान ने उनके दिल्ली निवास पर पहुंचकर श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि हुए केंद्र सरकार की ओर से सत्यपाल मलिक को कोई सम्मान नहीं दिया गया, यहां तक कि उनके पार्थिक शरीर को अस्पताल में रखने के लिए भी इजाजत मांगनी पड़ी।डॉ. मनीषा ने कहा कि मलिक कई सम्मानित पदों पर रहे, वे राजकीय सम्मान के हकदार थे। पुलवामा हमले का सच भी उजागर किया था, वे पूरे देश की आवाज बने थे। किसानों और आम जनता के लिए आवाज उठना भाजपा सरकार की अखर गया तो उनको सम्मान से वंचित कर दिया। लेकिन जनता के मन के उनके प्रति जो मान सम्मान है उसको कोई नहीं निकाल सकता। उन्होंने कहा कि खराब स्वास्थ्य के बावजूद भी सत्यपाल मलिक ने विधानसभा चुनाव में दादरी पहुंचकर कांग्रेस के पक्ष में प्रचार किया था। सांगवान ने कहा कि अपनी निर्भीकता के लिए कृषि और किसानों के लिए उन्होंने जो आवाज उठाई उसके लिए उन्हें याद किया जाएगा।

सूचना

मैं, UgarSain पुत्र Sh. Karambir Singh निवासी गांव किरावड तहसील तोशाम जिला भिवानी बयान करता हूँ मेरे हैवी लाईसेंस में मेरे पिता का नाम गलती से Karmbir Singh लिखा गया। अब मेरा हैवी लाईसेंस रिन्यू होना है इसमें मेरे पिता का नाम मेरे हैवी लाईसेंस में Karambir Singh दर्ज किया जाए।

वार्षिक आम सभा की बैठक बारे सूचना

दी भिवानी जिला प्राथमिक सहकारी कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक सी० भिवानी के सभी सदस्यों को सूचित किया जाता है कि दि भिवानी जिला प्राथमिक सहकारी कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक सी० भिवानी की 16वीं वार्षिक आम सभा की बैठक दिनांक 05.09.2025 को दिन के 12:00 बजे बैंक प्रांगण में होनी निश्चित हुई है। आपसे अनुरोध है कि निर्धारित समय व स्थान पर पहुँचकर मीटिंग में भाग लेना सुनिश्चित करें जिसमें निम्नलिखित कार्य सूची पर विचार किया जायेगा :-

1. बैंक की पिछली आम सभा की बैठक जोकि दिनांक 28.01.2022 को सम्पन्न हुई थी कि कार्यवाही की पुष्टि करने पर विचार।
2. बैंक की वर्ष 2021-22 , 2022-23 , 2023-24 की बैलेन्सशीट व लाभ हानि खातो का अनुमोदन करने पर विचार।
3. बैंक की ऑडिट रिपोर्ट 2020-21, 2021-22, 2022-23 की अनुपालना को अनुमोदित करने पर विचार।

मुख्य कार्यकारी अधिकारी
दि भिवानी जिला प्राथमिक सहकारी कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक सी0,
201, अशोका रोड भिवानी दूरभाष : 01664-245102

खबर संक्षेप

प्रथम चरण के लिए 102 छात्राओं का चयन

भिवानी। राजीव गांधी राजकीय महिला महाविद्यालय, भिवानी में प्राचार्य त्रिलोक चंद की अध्यक्षता एवं कैप्टन डॉ. सविता के कुशल निर्देशन में एन.सी.सी के नए सत्र 2025-26 की चयन प्रक्रिया को शुरू किया गया। प्रथम चरण में 102 छात्राओं का चयन किया गया है। इन छात्राओं का चयन फिजिकल, मेडिकल, लिखित परीक्षा व साक्षात्कार के माध्यम से किया गया है।

दांग कलां के स्कूल में शिविर का आयोजन

भिवानी। हमारा अपना फाउंडेशन के तत्वावधान में गांव दांग कला में सरस्वती वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में दंत चिकित्सा शिविर का आयोजन त्रिवेणी डेंटल के संस्थापक डॉ. कपिल और उनकी टीम द्वारा किया गया। इस शिविर का उद्देश्य बच्चों व ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को मौखिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना और आवश्यक दंत चिकित्सा सेवाएं प्रदान करना था। शिविर के आरंभ में डॉ. कपिल और उनकी टीम का फूलों के गुलदस्ते के साथ स्कूल प्राचार्य व स्टाफ द्वारा स्वागत किया गया।

बलिदान से ही देश को मिली आजादी: चौहान

भिवानी। चौधरी बंसीलाल पार्क के पास बदलाव वेलफेयर सोसायटी द्वारा सम्मान समारोह का आयोजन किया। सम्मान समारोह में बतौर मुख्यतिथि एडवोकेट मुकेश चौहान तथा विशिष्ट अतिथि कैप्टन सुरेश परमार सांवड़ ने शिरकत की। सोसायटी प्रधान श्यामपाल ने बताया कि सोसायटी द्वारा समारोह में स्वतंत्रता सेनानियों के वंशजों व पत्रकारों को सम्मानित किया। एडवोकेट मुकेश ने कहा कि स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान के कारण ही आज हम आजादी की खुली हवा में सांस ले रहे हैं।

शिक्षा का मुख्य उद्देश्य समाज एवं राष्ट्र उत्थान

भिवानी। चौधरी बंसीलाल विवि के इतिहास विभाग के सौजन्य से नूतन विद्यार्थियों के लिए प्रेरण एवं विस्तृत व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन कुलपति प्रो दीप्ति धर्माणी की अध्यक्षता में किया गया। कुलपति प्रोफेसर दीप्ति धर्माणी ने कहा कि शिक्षक और विद्यार्थी एक दूसरे के पूरक हैं । उन्होंने कहा कि शिक्षा एवं ज्ञान प्राप्त करने का मुख्य उद्देश्य समाज एवं राष्ट्र उत्थान है।

दो दिवसीय ब्लॉक स्तरीय खेल प्रतियोगिता का आगाज

युवाओं के सर्वांगीण विकास के लिए खेल प्रतियोगिताएं रखती बहुत मायने: भारद्वाज

ब्लॉक की विजेता टीम 25 व 26 को जिला स्तरीय स्कूली खेल प्रतियोगिता में लेगी भाग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

भीम स्टेडियम में आयोजित की जा रही दो दिवसीय लडक़ों की अंडर-17 व अंडर-19 आयु वर्ग की ब्लॉक स्तरीय खेल प्रतियोगिता का वीरवार को शुभारंभ किया गया। प्रतियोगिता में लगभग 20 ओलंपिक व 12 नॉन ओलंपिक खेल विधाओं में आयोजित की जाएगी। जिसमें हॉकी, फुटबॉल, क्रिकेट, आर्चरी, एथलेटिक्स, बैडमिंटन, बास्केटबॉल, मुक्केबाजी, जिमनास्टिक, हैंडबॉल, जूडो, तैराकी, शूटिंग, टेबल टेनिस, ताइक्वांडो, टेनिस, कुश्ती, कबड्डी, बेसबॉल, चैस, नेटबॉल, स्केटिंग योग, कैरम, रस्सा कसी आदि इवेंटस का आयोजन करवाया गया।

पहले दिन की प्रतियोगिता का शुभारंभ भिवानी के जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी सुभाष भारद्वाज ने किया तथा अध्यक्षता खंड शिक्षा अधिकारी अनिल गौड़ द्वारा ने की। प्रतियोगिता के आयोजन समिति में प्राचार्य पवन शास्त्री स्टेट, प्राचार्य रीमा परमार सीमा सरदाना रविंद्र वैद, सत्यवान कोच, खेल प्रतियोगिता के ऑलओवर इंचार्ज एवं प्रभारी प्रवक्ता मदन गोपाल एवं सह प्रभारी विनोद पिंकू पीटीआई रहे। खेल प्रतियोगिता के आयोजन में पीटीआई, डीपीई व शारीरिक शिक्षा प्रवक्ता की जिम्मेदारी रही। निर्णायम मंडल की भूमिका सुखदेव डीपीई, राजेश्वर डीपीई, राजेश सिवाच, राजवंती प्रवक्ता, सुनील कोहड़, सुशील दहिया, वीरेंद्र घणघस, श्रीपाल डीपीई, रामचंद्र पुनिया, प्रवीण भारद्वाज, मोतीलाल जांगड़ा, संजय सैनी, सरिता डीपीई, मंजीत पालवास, राजेश डीपीई धनाना, रविंद्र डीपीई तालू, जोगेंद्र पीटीआई मिताथल, पवन मिताथल, दयानंद डीपीई मानहेरू, गजानंद पीटीआई, सलेंदर पीटीआई, ललित चौहान टीआईटी, अनीता खेड़ा, लक्ष्मण गौड ने निभाई।

भिवानी। आयोजित प्रतियोगिता में दौड़ लगाते प्रतिभागी व आयोजित प्रतियोगिता में बाल पहलवानों के हाथ मिलवा कुश्ती शुरू करवाते हुए। फोटो: हरिभूमि

कुश्ती में लगाए बाल पहलवानों ने खूब दांव पेच

खेल प्रतियोगिता के परिणामों की जानकारी देते हुए शारीरिक शिक्षक विनोद पिंकू ने बताया कि अंडर-17 आयु वर्ग की कुश्ती फ्री स्टाइल के 45 किलोग्राम भार वर्ग में मयंक भिवानी, 48 किलोग्राम भार वर्ग में दीक्षित बामला, 51 किलोग्राम भार वर्ग में कृष्णा भिवानी, 55 किलोग्राम भार वर्ग में अंकुश बड़ेसरा, 60 किलोग्राम भार वर्ग में उज्ज्वल सांगा, 65 किलोग्राम भार वर्ग में दीपेंद्र मानहेरू, 71 किलोग्राम भार वर्ग में रोहित भिवानी, 80 किलोग्राम भार वर्ग में सुमिता बामला व 92 किलोग्राम भार वर्ग में अभिमन्यु बामला विजेता रहे। इसी प्रकार अंडर-19 आयु वर्ग की 74 किलोग्राम भार वर्ग में निशांत ढांडा, 86 किलोग्राम भार वर्ग में केशव देवसर, 55 किलोग्राम भार वर्ग में सक्षम, 60 किलोग्राम भार में कोहीनुर देवसर, 63 किलोग्राम भार वर्ग में राहुल बामला व 72 किलोग्राम भार वर्ग में दीवांशु विजेता रहे। विनोद पिंकू ने बताया कि लडक़ों की अंडर-17 व अंडर-19 आयु वर्ग की भिवानी की ब्लॉक की विजेता टीम 25 व 26 अगस्त को जिला स्तरीय स्कूली खेल प्रतियोगिता में भाग लेंगी।

मानसिक दबाव सहने की शक्ति देते हैं खेल

इस मौके पर मुख्यअतिथि जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी सुभाष भारद्वाज ने कहा कि युवाओं के सर्वांगीण विकास के लिए खेल प्रतियोगिताएं बहुत मायने रखती है। प्रतियोगिताओं में भाग लेकर युवा ना केवल शारीरिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देते है, बल्कि मानसिक, सामाजिक और नैतिक विकास में भी आगे बढ़ते है। उन्होंने कहा कि खेल में रणनीति और त्वरित निर्णय लेने की क्षमता विकसित होती है तथा प्रतिस्पर्धा के दौरान मानसिक दबाव को सहने की शक्ति से आत्मविश्वास बढ़ता है। उन्होंने सभी युवाओं से आह्वान किया कि वे किसी ना किसी खेल को जरूर अपनाएं। अंत में जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी ने प्रतियोगिता के सफल आयोजन में पीटीआई डीपीई, शारीरिक शिक्षा प्रवक्ता, प्राचार्य, स्काउट गाइड के बच्चों एवं कर्मचारी व अधिकारियों की प्रशंसा की।

ढिगावामंडी। खेल कूद प्रतियोगिता शुरू करवाते हुए। फोटो: हरिभूमि

मैच में ग्रीन आर्मी ने भिवानी बी को हराया

- दो दिवसीय खेल प्रतियोगिता में पहले दिन हुए रोचक मुकाबले

हरिभूमि न्यूज ▶▶ ढिगावा मंडी

ऐतिहासिक गांव सिंघानी में 91वें शहीदी दिवस समारोह पर दो दिवसीय खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें पहले दिन दौड़ और कबड्डी के रोचक मुकाबले देखने को मिले।

इस मौके पर विजय सिंघानी, परविन्द्र आर्य सर्वजातिय श्योराण खाप उत्तर प्रदेश, सरपंच संजीत श्योराण आदि ने कहा कि युवाओं का खेलों के प्रति लगाव हो इसको ध्यान में रखते हुए गांव में खेल प्रतियोगिता का आयोजन करवाया गया है। 1600 मीटर पुरुष वर्ग में अंकित सतनाली ने पहले स्थान व संजय फ़रटिया दूसरा स्थान प्राप्त किया। 400 मीटर बालक वर्ग में मनीष सतनाली ने पहला स्थान व तिलक सतनाली ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। 100 मीटर महिला वर्ग में परमिला ने पहला स्थान प्राप्त किया व मोनिका खोरड़ा ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। उद्घाटन मैच ग्रीन आर्मी ने भिवानी बी की टीम को 22 - 30 के मुकाबले से हराकर उद्घाटन मैच अपने नाम किया। इस मौके पर प्रदीप श्योराण, राधेश्याम, कृष्ण नागल, उमेद श्योराण, सुरेंद्र श्योराण आदि मौजूद रहे।

स्कूल क्रिकेट लीग में भिवानी पब्लिक स्कूल जीता

भिवानी। हरियाणा - स्कूल क्रिकेट लीग के ब्लॉक लेवल के फाइनल मैच में भिवानी पब्लिक स्कूल ने अपनी अंडर 14 टीम के शानदार प्रदर्शन से एक रन से जीत दर्ज की। लीग के पहले मैच में भिवानी पब्लिक स्कूल सामना जी लिट्रा वैली स्कूल से हुआ , जिसमें भिवानी पब्लिक स्कूल ने 66 रन से जीत दर्ज की। भिवानी पब्लिक स्कूल ने दूसरे मैच में जीडी गोयनका स्कूल के खिलाफ सात विकेट से जीत दर्ज कर अपनी टीम की लय को बनाए रखा। फाइनल मैच में भिवानी पब्लिक स्कूल की टीम का सामना फिर से दी आर्यन स्कूल टीम के साथ हुआ, इस बार भी टीम ने जीत दर्ज कर लीग का खिताब अपने नाम किया। इस जीत से भिवानी पब्लिक स्कूल के खिलाड़ियों और समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई। निर्देशिका ने अपनी टीम की जीत पर बधाई देते हुए कहा, आज के मैच में हमारी टीम ने अपने खेल कौशल और टीम वर्क का बेहतरीन प्रदर्शन किया।

लोहानी स्कूल का शानदार प्रदर्शन

- टेबल टेनिस में विद्यालय की टीम सभी कैटेगरी में प्रथम रही

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

खण्ड स्तरीय खेलों में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय लोहानी में इस वर्ष शानदार प्रदर्शन किया। कैरू ब्लॉकमें आयोजित स्कूली खेल प्रतियोगिता का आयोजन राजकीय स्कूल कैरू में हुआ। संचालन अध्यापिका काजल ने किया। इनमें लोहानी स्कूल ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

प्रधानाचार्य भगत सिंह कोठारी ने बताया कि खेल स्पर्धाओं में टेबल टेनिस में विद्यालय की टीम सभी कैटेगरी में प्रथम रही। रूद्र, निशांत, जतिन, अंशु, शुभम आदित्य और रोहित ने टेबल टेनिस में अपने-अपने वर्ग में जीत हासिल की। कुश्ती में निखिल, सन्नी, समशेर, जतिन ने अपने भार वर्ग में जीत हासिल की। राहुल ने कुस्ती में जीत दर्ज की। खेल प्रभारी संजय कुमार और आजाद सिंह ने बताया कि विद्यालय के खिलाडिय़ों ने डीपीई जगवीर ग्रेवाल के नेतृत्व में इस वर्ष बहुत अच्छी तैयारी की। जिसका परिणाम इस वर्ष उनकी जीत के रूप में दिखाई दे रहा है। प्रधानाचार्य भगत सिंह कोठारी ने विजेता खिलाडिय़ों को जीत की बधाई दी और विजेता खिलाडिय़ों का स्वागत किया। प्रधानाचार्य ने खिलाडिय़ों को प्रोत्साहन दिया और उनको खेलों के महत्व के बारे में समझाया। इस अवसर पर नरेन्द्र, प्रवीण, सुरेन्द्र राणा, संध्यामणि, रेखा, मंजू, रीतु, शालिनी ने विद्यार्थियों की हौंसला आजफाई की।

कबड्डी में मेगा माइंड व अग्रसेन स्कूल प्रथम

- खंड स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता के अंडर 17 में डीबीएम दुल्हेड़ी के धीमंत व 19 में मोहित चैंपियन
- कब्बड्डी व खो-खो में राजकीय विद्यालय खरकड़ी झांवरी ने लहराया परचम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ तोशाम

तोशाम के चौधरी सुरेन्द्र सिंह खेल परिसर में दो दिवसीय खण्ड स्तरीय स्कूली खेलकूद प्रतियोगिताओं में 17 व 19 आयुवर्ग के लड़कों की विभिन्न खेलों की प्रतियोगिताएं वीरवार को सम्पन्न हुई। प्रतियोगिताएं बीईओ विजय सांगवान की अध्यक्षता में हुई। प्रतियोगिता के परिणामों की जानकारी देते हुए जोनल सचिव कम डीपीई प्रीतपाल व प्रतियोगिता इन्चार्च प्रवक्ता राजेश कुमार ने बताया कि शतरंज अंडर-17 लड़कों में धीमंत डीबीएम स्कूल दुलहेड़ी प्रथम, समीर सीजीएसएसएस खरकड़ी झांवरी द्वितीय, विनीत डीबीएम स्कूल दुलहेरी तृतीय और इसी स्कूल के आयुष ने चतुर्थ स्थान पाया। अंडर-19 आयुवर्ग लड़कों में डीबीएम स्कूल के दुल्हेड़ी के मोहित प्रथम, हर्ष द्वितीय, वंश तृतीय तथा नितिन पीएस नवयुग स्कूल तोशाम चतुर्थ व सचिन आरोही मॉडल एसएसएस ने पांचवां स्थान लिया।

तोशाम। खंड स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता में प्रतिद्वंद्वी टीम के खिलाड़ियों पर दाव लगाता खिलाड़ी। फोटो: हरिभूमि

खो-खो में छाया वीजीएसएसएस

अंडर-17 खो-खो का एक सेमीफाइनल वीजीएसएसएस खरकड़ी झांवरी व आदर्श स्कूल मिरान तथा दूसरा सेमीफाइनल जीएचएस पिंजोखरा व पीएस नवयुग स्कूल तोशाम के बीच हुआ, जिसमें वीजीएसएसएस खरखड़ी झांवरी व पीएस नवयुग तोशाम की टीम विजेता रही और दोनों का फाइनल मुकाबला हुआ। खो खो के फाइनल मुकाबले में वीजीएसएसएस खरखड़ी झांवरी ने पीएस नवयुग तोशाम व के बीच हुआ, जिसमें वीजीएसएसएस खरकड़ी झांवरी विजेता रहे। वहीं पीएस नवयुग स्कूल तोशाम ने दूसरा तथा जीएचएस पिंजोखरा ने तीसरा स्थान हासिल किया।

किसानों को जोखिम फ्री खेती बनाने में फसल बीमा बहुत ही लाभदायक योजना: एसडीएम

तोशाम। एसडीएम रवि मीणा ने बताया कि उपमंडल में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत खरीफ 2025 के अंतर्गत फसलों का बीमा पहली जुलाई से शुरू हो चुका है। इस योजना के अंतर्गत धान, बाजरा, मक्का, और कपास की फसल को बीमित फसलों की श्रेणी में रखा गया है। खरीफ- 2025 में प्रदेश सरकार द्वारा फसलों का बीमा करवाने की अंतिम तिथि 31अगस्त निर्धारित की गई है। उन्होंने बताया कि जिन किसानों को खरीफ 2025 में अपनी फसलों का बीमा करवाना है, वे सभी किसान 30 अगस्त तक संबंधित दस्तावेज जैसे आधार कार्ड, बैंक पासबुक, नवीनतम भूमि रिकॉर्ड, जमाबंदी प्रमाणित बुवाई पत्र और मेरी फसल मेरा ब्यौरा के साथ संबंधित बैंक या सीएससी केंद्र के माध्यम से फसली बीमा करवा सकते हैं। जिन किसानों ने बैंको में केसीसी बनवा रखा उनका 30 अगस्त तक और जिन्होंने केसीसी नही बनवा रखा वे किसान 14 अगस्त तक बीमा धनराशि जमा करवाएं।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन नं. : 8295157800, 8814999151, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।

हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
भिवानी : हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन : 8814999170, दादरी : 9253681008

सीबीएलयू में दीक्षा कार्यक्रम का आयोजन

- विद्यार्थी अब सप्ताह में पांच दिन डिग्री कोर्स और सप्ताहांत दो दिन डिप्लोमा कोर्सेज की पढ़ाई रख सकतें है जारी : कुलपति

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

भिवानी चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय में नए प्रवेशित विद्यार्थियों के लिए दीक्षा(प्रेरण) कार्यक्रम का आयोजन कुलपति प्रो दीप्ति धर्माणी की अध्यक्षता में किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य वक्ता पूर्व रजिस्ट्रार डॉ ॠतु सिंह ने शिरकत की।

कार्यक्रम के संयोजक डीन स्टूडेंट वेलफेयर डॉ सुरेश मलिक थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. दीप्ति धर्माणी ने कहा कि विद्यार्थी अब सप्ताह में पांच दिन डिग्री कोर्स की पढ़ाई के साथ ही सप्ताहांत दो दिन डिप्लोमा कोर्सेज की पढ़ाई जारी रख सकते हैं। इससे विद्यार्थी समय की बचत के साथ एक साथ ड्यूल कोर्सेज कर अपनी शैक्षणिक योग्यता एवं कौशलता को बढ़ा सकते हैं। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी विश्वविद्यालय परिसर में अनुशासन एवं पूर्ण स्वच्छता को बनाए रखते हुए कड़ी मेहनत लग्न एवं निष्ठा से अपना अध्ययन कार्य करेंगे। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय रैगिंग फ्री एवं पूर्णतया नशा मुक्त संस्थान है। उन्होंने आगे कहा कि विश्वविद्यालय विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए कृत संकल्पित है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि वे अनुशासित रहकर आपसी सौहार्द एवं सहयोग तथा अधिकतम उपस्थिति के साथ अपना शत प्रतिशत देने का प्रयास करेंगे तो सफलता निश्चित तौर पर मिलेगी।

भिवानी। कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारी। फोटो: हरिभूमि

163 कैडेट्स की पीटी परेड करवाई

- बीआरसीएम बहल में वार्षिक प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहल

11 हरियाणा बटालियन एनसीसी भिवानी द्वारा बीआरसीएम बहल में वार्षिक प्रशिक्षण शिविर 163 के तीसरे दिन कैडेट्स को सुबह पीटी परेड करवाई गई।

इसके पश्चात कैप्टन अशोक कुमार एसोसिएट एनसीसी ऑफिसर ने आपदा प्रबंधन के बिंदुओ को विस्तार से समझाया जिसमें विशेष रूप से आपदा प्रबंधन के मूल सिद्धांत,बचाव और राहत कार्य,आपदा के प्रकार और उनके प्रभाव,आपदा प्रतिक्रिया योजना, बचाव उपकरणों का उपयोग, प्राथमिक चिकित्सा और आपदा चिकित्सा, संचार और समन्वय, खोज और बचाव तकनीक, खतरनाक सामग्री का प्रबंध, मानसिक स्वास्थ्य और आपदा प्रबंधन, सामुदायिक भागीदारी और जागरूकता, आपदा प्रतिक्रिया में तकनीक का उपयोग आदि इन प्रशिक्षण बिंदुओं पर ध्यान देकर एनसीसी के कैडेट्स आपदा प्रबंधन में अपनी क्षमताओं को मजबूत बना सकते हैं।

इसके साथ ड्रिल का उद्देश्य व अच्छी परेड कमांड का आदेश, साइजिंग एवं फार्मिंग, सलामी देना, मार्चिंग, मार्च करते हुए मुड़ना और घूमना, कदम चाल, सहस्त्र ड्रिल, राइफल के साथ सैल्यूट,समान गार्ड, गार्ड माउंटिंग की प्रक्रिया को विस्तार से सिखाया गया। इस अवसर पर फर्स्ट ऑफिसर राजेश कुमार मुखी ने बताया कि आज शाम को खेलकूद प्रतियोगिताओं में रस्साकसी का आयोजन किया जाएगा ।

नवाब के जुल्मों का डटकर किया था 1935 में मुकाबला

ऊंट टैक्स उगाही से सुलगी थी आजादी की ज्वाला

- आज ही के दिन 8 अगस्त 1935 23 लौहपुरुषों ने दी थी शहादत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ ढिगावा मंडी

91 साल पहले आज ही के दिन 8 अगस्त 1935 को सिंघानी में नवाबी गोलियों का सामना करते हुए 23 लौहपुरुषों ने शहादत दी थी। ये लोग नवाब द्वारा लगाए गए ऊंट टैक्स का विरोध करने के लिए एक जगह एकत्रित हुए थे। नवाबी हुकूमत से तंग जनता समानांतर सरकार का भी गठन करना चाहती थी। लोगों के दिलों में आजादी की ज्वाला धधक चुकी थी। लोगों ने डटकर हुकूमत से टक्कर ली थी। लोहारू की रियासत के तत्कालीन नवाब अमीनुद्दीन अहमद खान ने किसानों पर अनाप-शनाप कर लगा दिए थे। लोहारू क्षेत्र के लोगों को आजादी से पूर्व अंग्रेजी और नवाब शासन के रूप में दोहरी गुलामी की मार झेलनी पड़ी थी। लोहारू रियासत में लगभग 52 गांव थे और यह बावनी के नाम से जानी जाती थी। नवाबी हुकूमत द्वारा अपना खजाना भरने के लिए जनता पर तरह-तरह के नाजायज कर थोप दिए जाते थे। ताकत के बल पर जनता से कर की वसूली की जाती थी। इस बालू रेत और बंजर क्षेत्र के किसानों के लिए इतना कर अदा करना संभव नहीं था। लोहारू की जनता ने सामूहिक रुप से कर देना बंद कर दिया था।

ढिगावामंडी। सिंघानी में स्थापित करवाया गया शहीद स्मारक।

इलाज के लिए नहीं ले जाने दिया था भिवानी व हिसार

नवाब इतना क्रूर था कि घायल हुए किसानों को इलाज के लिए भिवानी तथा हिसार भी नहीं ले जाने दिया। बताया जाता है कि भिवानी और हिसार को जाने वाले सभी रास्ते बंद करवा दिए गए थे। लोगों ने गांवों को खाली कर जोहड़ों में शरण ली थी। 8 अगस्त का दिन सिंघानी में शहीदी दिवस के रूप में मनाया जाता है।

नवाब लोहारू ने जनता पर लगाए थे ये टैक्स

लगान टैक्स, आबियाना, ऊंटो पर टैक्स, आल्हा मिल्कियत व बिस्वेदारी टैक्स, खान टैक्स, बैल व भेड़-बकरी टैक्स, करेपा विवाह टैक्स, नजराना टैक्स, वसीयत टैक्स, चुंगी टैक्स, नंबरदारी व बेलदारी टैक्स, विरासत का टैक्स, नवाब का कर्ज, चबूतरा टैक्स, बेगार व पेड़ कटाई का टैक्स, शामलात व बणी की भूमि पर कब्जा,

इस लगान के चलते किसान भूखे मरने को मजबूर हो गए थे, लेकिन जिद्दी नवाब ने जनता की गरीबी की ओर कोई ध्यान नहीं दिया।

झरवाई में ग्राम सभा की बैठक आयोजित

भिवानी। गांव के विकास में महिलाओं की भागीदारी कितनी महत्वपूर्ण है, यह गांव झरवाई की सरपंच कमला देवी अच्छी तरह से समझती हैं। इसी सोच के साथ उन्होंने गांव की महिलाओं के साथ एक विशेष ग्राम सभा की बैठक का आयोजन किया, जिसमें सरपंच ने ना केवल महिलाओं की समस्याओं को सुना गया, बल्कि गांव के भविष्य के लिए उनके सुझाव भी मांगे गए। ग्राम सभा की बैठक में सरपंच कमला देवी ने महिलाओं को खुलकर बात रखने का मौका दिया। इस दौरान महिलाओं ने गांव में पानी की समस्या, साफ-सफाई की कमी और बच्चों के लिए खेल के मैदान जैसी कई महत्वपूर्ण समस्याओं को उठाया। सरपंच ने हर एक समस्या को गंभीरता से सुना ।